पेयजल एवं स्वच्छता जागरूकता विषय पर कार्यशाला, बोले विशेषज्ञ

घर में बनवाएं शौचालय

◆ सभी प्रखंडों से निकले 2-2 रथ

जागरण संवाददाता, पटना : राज्य के सभी प्रखंडों में पेयजल एवं स्वच्छता के प्रति जागरूकता पैदा करने को गुरुवार से दो-दो रथ निकाले गए। जो 25 फरवरी तक गांव-गांव में जाकर लोगों को इसके प्रति जागरूक करेंगे। राजधानी में लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग की प्रधान सचिव अंशुली आर्या ने मिलर हाई स्कूल प्रांगण से पटना जिले के लिए 46 रथों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

विभाग के जिला इकाई के तत्वावधान में तारामंडल सभागार में गुरुवार को पेयजल एवं स्वच्छता जागरूकता विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन करते हुए प्रधान सचिव अंशुली आर्या ने खुले में शौच न करने व घर में शौचालय बनवाने की अपील की। बिना शौचालय वाले घर की महिलाएं अपमान महसूस कर रही हैं। सरकार सीमांत किसान, विकलांग, सहित सभी वर्ग के गरीबों को शौचालय निर्माण के लिए 9900 रुपये दे रही है। शौचालय निर्माण कराने वालों को मात्र 900 रुपये देना है। महादलित परिवार को एक रुपया भी नहीं लगेगा। 2.5 एकड़ से अधिक भूमि वाले एपीएल को शौचालय निर्माण के लिए 4500 रुपये की सहायता दी जा रही है। अब स्वयंसेवी संगठन के माध्यम से शौचालय निर्माण नहीं हो रहा है। इसे ग्राम पंचायत के माध्यम से बनाया जा रहा है। बिहार शौचालय के मामले में काफी पीछे है। यह रथ घर-घर तक संदेश पहुंचायेगा। विद्यालयों में भी बच्चों को शौचालय जाने और उसके बाद हाथ साफ करने की आदत डलवाई जाएगी। इस अवसर पर डीडीसी सीमा त्रिपाठी ने कहा कि निर्मल भारत अभियान और लोहिया स्वच्छता योजना के तहत पेयजल एवं स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। प्रखंड एवं पंचायत स्तर पर कार्यशाला का आयोजन कर जागरूकता फैलाया जाएगा। अपील की कि जनता को समझाने में पंचायत प्रतिनिधि अहम भूमिका निभाएं। इस अवसर पर अभियंता प्रमुख जयशंकर चौधरी, मुख्य अभियंता विनोद कुमार सिंह, डीपी सिंह, जावेद, विवेक अग्रवाल, श्याम नंद मिश्र आदि मौजूद थे।

अभियान का उद्घाटन करते विभागीय पदाधिकारी जागरण